

आशा नरुवाथि

1.7/8

ASHA ARCHIVES

ॐ नमश्चिदकार्ये ॥ नासिय ॥ ॐ नमः शान ॥ न्या सार्ध या उ यः
जा समू जा ॥ धवमूल इ को द यू नी यो य ॥ ॥ विष्णो वता ल उ य ॥
ठि को नु दे ग दि र्व न्ध न मा य ॥ मू ल न यु ल्हा या म ॥ उ र्ध्व कृ त्वा ॥ न्या स ॥ न
काँ काँ वा मू ल्हा ये वि वे अ म्हा रु ॥ ॥ ॐ नमः शान ॥ ॥ ॐ नमः शान ॥
म ॥ ॥ ॐ नमः शान ॥ ॥ ॐ नमः शान ॥ ॥ ॐ नमः शान ॥ ॥ ॐ नमः शान ॥
क न न्हा शान ॥ ॥ ॐ नमः शान ॥ ॥ ॐ नमः शान ॥ ॥ ॐ नमः शान ॥ ॥ ॐ नमः शान ॥

न

यायबोषट् ॥ नैजमृद्य हव अस्मायहट् ॥ अं गं न्यासः ॥ हं वा द ॥
नं ऊं द्य ॥ कं जा नो ॥ मं उ द न ॥ लं क ॥ यं ह द य ॥ उं मृ द ॥ अं नि
न ॥ ॐ नि न्यास ॥ तना ऊ न य रु य ऊं अ द्य वा रु य ऊं न ॥ ह न छु द्वि अः
मृ य ऊ ॥ कृ सो या द कं ॥ वि न्दु य ३ ॥ मा ल ना य ८०७ ॥ य व लि वि य
॥ पं व नान श्री वा ह न ॥ शि द व ३ अ गि ना या मृ लु ॥ थ न र्क व लि ॥ थ व थ व
मृ डो ॥ अ धा व न क य २ ॥ अ न ना स्मा य न म ४ ॥ क द थ २ ॥ ना ना य वा य न

मा य २ ॥ क ग ना म २ ॥ क र्ति का य २ ॥ य मा स्मा य २ ॥ म दि वा स्मा य न म ४ ॥
छु मा स्मा य न म ४ ॥ नि शु का स्मा य न म ४ ॥ धा न ॥ नै ज न य वा मा क ला व
लु ना ना य धा य मा रि ना ॥ दि य व मु य ना ना म दि वा स ग म मि ना ॥ कि
ना ठि कू ल ला का ना क यू न ४ म नि यू न के ४ ॥ न न मा ला वि वि र्णु श्च हा ल मा
ना व रं वि न ॥ अ द्वा द ग तु डा का ना यो न व कृ म ना नृ हा स व र्ण काल म य
का ग दि का ठि म य ग ॥ ख र्ण न र्ण म था य क व कृ कृ ग म रा सु ला व र द

उग्रवृद्धं वगुलयागं सुसाहिना। दक्षिणवक्त्रं कलात्रं गायधमात्मानं ध्याय
ना॥ रुद्रकं धनुहस्ताय गदाय च सुसाहिना। यागध्वं नकुं नाहस्ताय सर्वांगं
कन्यायागं क॥ विद्मः प्राणधामिं भूमिं ह्यसनाय त्रिहिता॥ अथ क्लृप्ता गिर
द्वित्रं महिषं महासर्वं॥ नमो वीनिगमाय ह्यमहावलयाय कर्म॥ रुद्रयि
त्यागिगुलं न विभृत्वा साजिना नृहन्तवं श्लाघामहादका सर्वकामरुतप्रदा
॥ एगवधो दण्डहस्ताय सर्वांगं दमस्कं विना। नृदवच्छिद्यं च वचः॥

अवलुनायिका॥ वलुवलुवगवैववलुनूयातिवल्लिका॥ लावनाञ्ज
नूलाकृष्णतीलाशुक्लाश्वधुमिका॥ यानावयालुलारूयाज्जलितस्नाह
निलिना॥ स्वयन्निवाजसमायुक्तामायां नमिहमलुल॥ नूनिव्यानवि
चिन्तय॥ त्रैलोक्यादयदक्षुडयवल्लानलामदेनादूरुसदानक
वामिर्हंसमयूहवननमः॥ सायादका॥ त्रैलोक्यवल्लुदयीविद्म
हदक्षुदकाधामहगन्नावल्लुययीदयो॥ ॥ कौकौकैकैकयालायवा

नै ॐ को मा न याद का ॥ नै ॐ वे सु वा याद का ॥ नै ॐ नं वा ना हा या
 द का ॥ नै ॐ यं ॐ द्या य ला याद का ॥ नै ॐ यं वा म सु याद का ॥ नै ॐ
 ॐ महा ल क्ष्मी या द कां यु ज या मि ॥ ॐ नि व द्या ला दि ॥ नै ॐ ॐ ज कि
 ना या द कां यु ज या मि ॥ नै ॐ ॐ ना कि ना या द कां ॥ नै ॐ ॐ ल कि
 ना या द कां ॥ नै ॐ ॐ का कि ना या द कां ॥ नै ॐ ॐ सा कि ना या द
 कां ॥ नै ॐ ॐ हा कि ना या द कां ॥ ॐ नि व द्या ज कि ना ॥ ॐ ॐ ॐ

यः

या न या भ य या द कां ॥ नै ॐ जालं ध न या भं या द कां ॥ नै ॐ यु र्नु जि ना
 या भ य या द कां ॥ नै ॐ काम न या भ य या द कां ॥ ॐ नि व र्नु यो ० ॥ ज
 धा न ॥ व ३ ॥ व ना सि रु य ३ ॥ मूल म नु ना रि या अ लि का य ॥ ध न व लि
 ला क महा व लि न ध न क ॥ आ वा रु ना दि या नि मु द्रा ॥ नै ॐ न म १ गु ना
 ध र्या दि ॥ वि नु रु य ३ ॥ धू य ॥ दी य ॥ जा य ॥ कु सा हा ॥ १० ॥ ॐ दी सा
 हा ॥ १० ॥ ॐ सा हा ॥ १० ॥ ॐ सा हा ॥ १० ॥ ॐ सा हा ॥ १० ॥ सा रु ॥

ऊादवीमधूकेठरुयमथनमाचलुमुधुदिनीयामातामहिषासूत्र
कयकनीयानकवाजीगुया।यामाधुमुनिगुमुदेहदनायादवदवा
किनासादवीममत्रकदकिण्डुऊनकैप्रदायल्लिक॥मायाकुधना
क्रियासधूमनीकालाकलामालनामार्तगाकिडयाहमाहगवनीदवा
गिवासीरुवे॥गकिण्डुनवल्लेहातिनयनावाग्नादिनारुववाडोका
लवियेनायनायलमयामायाकुमानालसि॥६॥किउग्रचक्रादवा

ईनसुमार्य॥७॥॥१॥ॐ नमस्त्वलि काये॥ददुलियाम॥विपांऊ
लियर्थेधूनक॥धनलिवदाचन॥ॐ नत्वायीमि॥ॐ दवस्यला॥ॐ स
मन्त्रदुलि॥ॐ आयाजुस्मा॥ॐ हिनल्यगर्क॥ॐ चलाविजुआ॥
ॐ दावादेवी॥ॐ वक्रयस्तेन॥ॐ हूदविष्णु॥ॐ नमः॥गमुवाय॥
ॐ यावदवदस॥ॐ गगतमिन्द्र॥ॐ स्वमिन्नहूदा॥ॐ यच॥यथि-
या॥ॐ विष्णुननाठ॥ॐ अग्निदेवता॥ॐ आ॥गानि॥ॐ धूनसि॥ॐ

न ऊासि ॥ ॐ मा ४ कृतिना ॥ ॐ अ न य न ॥ ॐ म नार्क नि ॥ ॐ नि द्या ॥
जा य म सा ॥ ॐ या द वा म ध के ठ रु ॥ ॐ नि वी र्ण ॥ ॐ न का म्ब र्ण ॥
ॐ य सा च न न ॥ क व य ॥ या ० ॥ ॐ नि व दार् च न ॥ ॐ रु ॥ ॥ ॥
ॐ च लु म य ग ना य थ म य र स्य व क्क ण वि म्म हा का ली द व ना ग म य रा
कु न्द ४ न द्वा ग कि न क द नि का वा र्क ॐ वि न ल्प थ म च वि श वि नि
था ग ॥ ॐ म्ब म य नि र स्य वि म्म हा ल क्की द व ना उ श्चि क्कु न्द

४ ग्म क र्क ना ग कि र्क ना वा र्क वा य न ल्प म्ब म य नि र वि नि था ग ४
॥ ॐ उ क्क च वि र स्य नू द्वा वि म्म हा से न स ना द व ना अ न्क यु न्द १
ली मा ग कि ना म ना वा र्क सु यो न ल्प ग्म हा मा या यी न थ स य म ना
ऊ य वि नि था ग ॥ ॐ नि र वि म्म न्द ४ ॥ ॐ रु ॥ ॥ ॐ न म ४ ग्म
गा न ना थ ॥ अ थ यू जा वि वि लि ख न ॥ च रु थ थ या अ न या यि या स
। स खि न वि ना वा का ग ख न य म्म । नू न न क ल न न ॥ ना थ ल्प ख थ

ॐ नमः शिवाय ॥ कस्तुरि त्वा ॥ यश्च जन्तु ॥ यश्च यत्नवन् ॥ तुहि कुहि न
॥ ८४ ॥ गान नाद वायु आयाय ॥ अचम्य ॥ ॐ अश्वादि ॥ यत्तु मानस्य गान
नास्य प्रीत्यर्थं गान नाया ध्वननिमित्तार्थं कर्तुं सूर्याय अर्घ्यं न
मः ॥ ॐ माहात्म्यं काव्यं नि ॥ यथा २ ॥ यत्तु हं तिथिर्मा ॥ ॐ सिद्धि
क्रिया नमः नि ॥ यथा रुद्रं नमस्कृत्य यामि ॥ ॥ वाक्कलना ॥ ॐ अ
श्वादि ॥ यत्तु मानस्य नि सूर्याय अर्घ्यं २ ॥ ॐ अक्षयं नि ॥ यथा २ ॥

नमो न्यासं काव्यं ७ ॥ ॐ गानलाये नमः ॥ अस्माय रुद्र ॥ ७ ॥ ॐ
गौ दद्याय ॥ अष्टकायां नमः ॥ ॐ नमि नमः ॥ गानं नमो न्यास ॥ ॐ
लो जिह्वाय सधमायां दोषदू ॥ ॐ ये कवचाय अनामिकायां दू ॥ ॐ
ननराय कनिष्ठकायां यमदू ॥ ॐ मः अस्माय रुद्र ॥ ॥ ध्वनन्या
स ॥ अंगकनां गजद्वयार्थं ॥ अस्माय रुद्राः नमः ॥ काव्यं ७ ॥ नमो अ
सुनन ॥ ॐ अक्षयं नागं कर्म २ ॥ ॐ कालाग्नि यदाय २ ॥ ॐ अनामना

यश॥ ॐ नानाय २॥ ॐ यद्राय २॥ ॐ यत्राय नमः॥ ॐ कुं गनाय २॥ ॐ
कल्लि काये २॥ ॐ नागनासमानाय ॥ ॥ ध्यान ॥ ॐ वधं हं गानला
धर्वा नासहस्रादिगम्यती। मार्क नाकल ॥ ॐ यत्रा सुद्यौ लंकनमस्तः
की॥ ॐ श्रीगानला दवा नूरागकु स्या वाहनं॥ ॥ आवाहनदि॥
वन्दे देवागलान्दवा नासहस्रादिगम्यती। मार्क नाकल सायनी सु
द्यौ लंकनमस्तकी॥ गानलाय ध्यायुष्यं नमः॥ याद्या यमनाय हान

यदन सिद्धन व मयुक्ता यवागयुष्य नेवद्यादि नायुक्तयः॥ श्री या
लि॥ ॐ श्रीगानलाय नमः॥ ॥ साहो॥ ३॥ धनवद्वाचन॥ ॐ नूत्या या
मि॥ ॐ दयस्य ला॥ ॐ गुणनाय॥ ॐ वरुष ला॥ ॐ नदी र्वा॥ ॐ द्यौः
नाकि॥ ॐ वरुष ला॥ ॐ नूत्या या॥ ॐ नूत्या या॥ ॐ नूत्या या॥ ॐ नूत्या या॥
न॥ कि॥ ॐ वरुष ला॥ ॐ नूत्या या॥ ॐ नूत्या या॥ ॐ नूत्या या॥ ॐ नूत्या या॥
॥ ॐ नूत्या या॥ ॐ नूत्या या॥ ॐ नूत्या या॥ ॐ नूत्या या॥ ॐ नूत्या या॥

सं ०२०११३ दि ० वत्रं नि नि
वजनप सिं सिनूका या १॥

आशा आशा

1.7/8

ASHA ARCHIVES

आइ

[illegible][illegible]

विविष्टा कविनामिति ॥ ॐ निशां सुन्दर्या ॥ ७८ ॥ यस्मिन् वान कं गा न
लाङ्क कं समाक ॥ ॥ कमासु निय ॥ ७७ ॥ ॥ थनलिकलगलखहाय ॥
कृतुतु नमाकु नमाय ॥ मनु ४ ॥ ॐ ४ ॥ निवदन ॥ १० ॥ ॥ न्यासान
विसर्जन ॥ ॥ वाङ्मनयुजा ॥ यरुमानाहिषक ॥ चन्द्रनाद्यागा
वोदान ॥ वलि विसर्जन ॥ कल ॥ ७८ ॥ कनयवाहय ॥ ७ ॥ ॐ निशां
लाया ० समाक ॥ ७ ॥ ॥ यथगकिवाङ्मनराजादिसंकल्य ॥

अनादिः यामसा । वा ॥ १ ॥ ॐ नकुमलकलनविमियकलायः कला
वलावठिनदकधनयुवर्ण । सुयो सु ॥ ७८ ॥ कनकायन ॥ ७ ॥ ॐ निशां
नं वदकनाथमदनमामि ॥ वदकना ॥ १ ॥ ॐ निशां नविमिनाकिमयीह
लाकः कर्मयुमिदरुलनाममिदं समस्त ॥ नसर्वदासकलसाधकसि
निगर्थः विनामलाकुलगलधियनिनमामि ॥ ७ ॥ ॐ निशां ॥ ७ ॥
॥ ॐ निशां ॥ ७ ॥ ॐ निशां ॥ ७ ॥ ॐ निशां ॥ ७ ॥ ॐ निशां ॥ ७ ॥

यद्युद्यागविनिर्मुक्तं स्वर्गलोकां सगच्छति ॥ गुरु ॥ १७ ॥ मुंवेवदश
मंयूननयिनियमं चर्तुं वासं युगमं वाचायुष्कदा नैतलधिदिगिगतं
दालमालासमस्तं न च कस्या न हृत्स्मिन्नरुवतननं दवनयात्मनूय
सद्वन्दरुनवायुं विदुवननेमिनं नोमिकुदुयुगलं ॥ वालया ॥ चक्र ॥
१७ ॥ मुंवाद्यं षडमुं विदुवनयवियुतनागयद्या कृत्वा ली ॥ दो वा कृष्णजम्भ
लं कलकदलयुनं हृन्वदुर्वा मुं दायय दान कायं युनिवन विधि

नैयुक्तकावन्धमालाकावन्धरुतिमालासकलयविदुनं व्यायथन्म
अकृद्वा ॥ युवाया ॥ चक्र ॥ १७ ॥ मुं कर्तुं कार्त्तयूननयिनियमं क ॥
युवायुगं नदा कृव विदुनं सकलरुलदकः वायु मुं वाद्यः द
वदं मातनं ये जिघित विविनं मुक्तकावन्धमालं ॥ १७ ॥ मुं वायु
मूलचक्रकलविदुनयुनं दालमालं नमहं ॥ वदया ॥ चक्र ॥ १७ ॥ वि
दुशिकालवसुका ॥ दशालमृगं मन्त्रमुनाज्जुगदलसंयुगजम्भलं ॥

कुरुयं वधवलासदनं यश्च वक्रमगद्दिनं यत्र दवनायाशा वक्र ॥
१०० नृमित्रद्वन्द्वनवनेन युगनदिद्वित्रियुष्माउगचतुगरोनिकम्
॥ यानलपञ्चदशवक्त्रिहिसाधकाः स्वर्गुल्लिखल्लिपिरित्कमभ
धामान् ॥ अकथहवक्र ॥ सिद्धि साधसुसिद्धि त्रियु ॥ स्रु ॥ दवमनुजि
ययावति आसायमान ॥ ॥ ७ ॥ ॥







